पेंसिलेवेनिया ग्रेजुएट स्कूल ऑफ एजुकेशन के प्रोफेसर अपनी किताब में केस स्टडी के रूप में शामिल करेंगे

अमेरिकन प्रोफेसर्स देखने आए हमारा लाइवलीहुड कॉलेज

भिलाई @ पत्रिका

patrika.com/city

यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिलवेनिया ग्रेजुएट स्कूल ऑफ एजुकेशन फिलाडेल्फिया अमेरिका के प्रोफेसर डॉ शेरॉन रविच और डॉ. जेरी जेलिग मंगलवार को हमारा लाइवलीहुड कॉलेज देखने आए थे।

वे , अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूथ डेवलपमेंट पर लिख रहे अपनी किताब में यहां के ट्रेनिंग प्रोग्राम और व्यवस्थाओं को केस स्टडी के रूप में शामिल करेंगे। राष्ट्रीय उच्चत्तर शिक्षा अभियान (रुसा) के नेशनल कोऑर्डिनेटर डॉ. बी व्यंकटेश कुमार और कल्याण कॉलेज के प्रोफेसर डीएन शर्मा भी उनके साथ थे। अमेरिकन प्रोफसर्स ने कहा कि अमेरिका एवं अन्य देशों में इस तरह जॉब ओरिएंटेड कम्युनिटी कॉलेज चल रहे हैं, मगर लाइवलीहुड कॉलेज बिलकुल ही अलग ही कांसेप्ट है। विदेशों में फीस देनी पड़ती है। यहां न केवल प्रशिक्षण व पढ़ाई मुफ्त है, बल्कि रहने व खाने की भी व्यवस्था भी निःशुल्क है। यूथ के लिए इस तरह रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की पहल वाकई अनोखा और अनुकरणीय है।

शासन और निजी संस्थान मिलकर सामाजिक निगमित जिम्मेदारी की निधि को इस तरह युवाओं को स्वावलंबी बनाने में खर्च करने का अपने आप में यह एक बेहतर उदाहरण है।

ऐसा अब तक कहीं देखने को नहीं मिला है। जेरी ने कहा कि इस तरह के ट्रेनिंग सेंटर में युवाओं की संख्या नहीं बल्कि क्वॉलिटी ऑफ एजुकेशन पर ही फोकस रहना चाहिए। ट्रेनीज से चर्चा की और कई सवाल भी पूछे। सेंटर हेड देवेंद्र सिंह ने बताया कि 861 युवक यहां से प्रशिक्षत हो चुके है। इनमें से कुछ निजी संस्थानों में सेवाएं दे रहे है तो कुछ ने अपने खुद का उद्यम शुरू कर दिया है। वर्तमान में 384 युवा प्रशिक्षण ले रहे है।

कॉलेज और विवि में शिक्षा का स्तर सुधारने सेमिनार

राष्ट्रीय उच्चत्तर शिक्षा अभियान (रुसा) के नेशनल कोऑर्डिनेटर व्यंकटेश कुमार ने बताया कि रुसा की ओर से 9 मार्च को रायपुर में सेमिनार का आयोजन किया गया है। रविच और जेरी भी सेमिनार में हिस्सा लेंगे। इसमें छह राज्यों कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, हरियाणा मध्यमप्रदेश और छत्तीसगढ़ के विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के कुलपति, रजिस्ट्रार, डीन, प्राचार्य और प्रोफेसर्स शामिल होंगे। प्रत्येक राज्य से 10-10 कुल 60 प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। इसमें नॉलेज, स्किल और एटीट्यूड पर खासतौर पर चर्चा होगी। उच्चतर शिक्षा को बेहतर बनाने सभी अपने अनुभव शेयर करेंगे।